Patrika, 06th June 2017, Patrika Plus, Page – 01

दिन के समय में भी यहां रात बहुत है, इस शहर में बरसात बहुत है

आईआईटी इंदौर में योर कोट ओपन माइक इवेंट में स्टूडेंट्स ने पेश की कविताएं

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • आईआईटी इंदौर में योर कोट ओपन माइक इवेंट का आयोजन किया गया। इसमें इंदौर, भोपाल, उज्जैन के युवा कवियों और लेखकों ने हिस्सा लिया। सृजन हिंदी साहित्य समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू भाषाओं में गीत, गजल, कविता की महफिल जमी। इवेंट में संस्थान के भी छात्रों ने भाग लिया। आईआईटी से अवधेश कुमार शर्मा, सौरभ यादव, मनीष चावरे ने कविताएं पढ़ीं।

संचालन अवधेश कुमार शर्मा 'ध्रुव' द्वारा किया गया। अवधेश ने विरह श्रृंगार रस की पंक्ति 'उसने गुनाह से बरी कर लिए खुद को, कत्ल करके बाहों में भर लिया मुझको ' पेश किया। वहीं शहर के मौसम को देखते हुए उन्होंने 'दिन में भी यहां रात बहुत है, इस शहर में बरसात बहुत है' पंक्तियों ने सबसे ज्यादा तालियां बटोरी।

सौरभ यादव ने 'बरसात की रात थी, एक अधूरी सी मुलाकात थी' सुनाई। मनीष चावरे ने गरीबी पर अपनी कविता सुनाई। इवेंट में संस्थान के बाहर से भी कवियों ने भाग लिया। भोपाल से आए स्टेज परफॉर्मर कुमार देशबंधु ने 'मैं हमेशा होने लगता हूं पागल, तुम्हारी यादों के सागर में' सुनाई। विदिशा से आई डॉ. खुशबू छाबड़िया ने 'तेरी चाहत की चाहना से है चाहत मुझे' पेश किया।